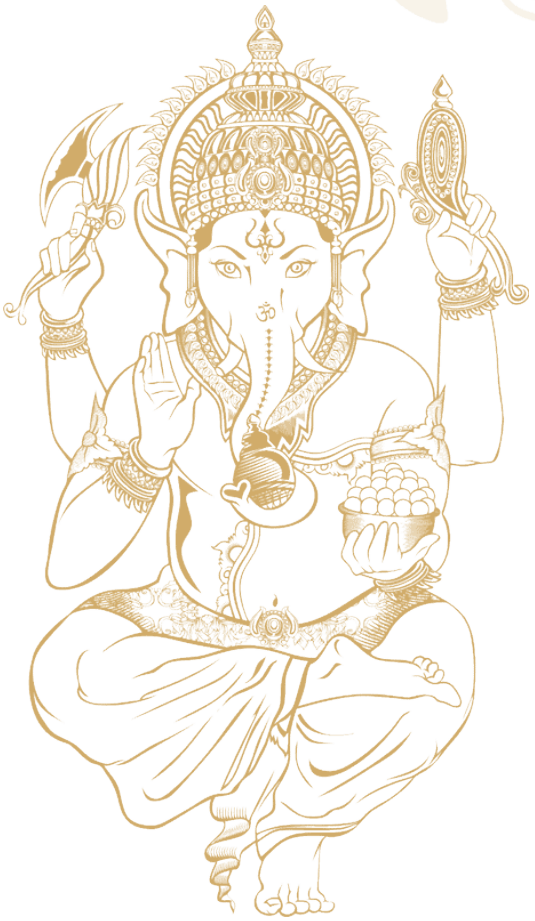

Yashika

05 Mar 2013

06:50 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121145402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/03/2013**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:50:00 घंटे**
इष्ट	30:19:13 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:28:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:29 घंटे
साम्पातिक काल	05:22:40 घंटे
सूर्योदय	06:42:18 घंटे
सूर्यास्त	18:23:21 घंटे
दिनमान	11:41:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	21:05:01 कुम्भ
लग्न के अंश	27:44:19 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:44:19	317:35:40	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	21:05:01	01:00:06	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	29:31:58	14:08:24	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल		अ	मीन	00:43:19	00:46:52	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	19:01:11	01:01:55	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			वृष	14:10:03	00:06:22	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कुंभ	15:17:08	01:14:55	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		तुला	17:17:33	00:01:31	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		तुला	25:03:13	00:01:03	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	25:03:13	00:01:03	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मीन	13:07:36	00:03:14	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप			कुंभ	09:14:36	00:02:15	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	17:09:59	00:01:09	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	27:23:01	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:42

लग्न-चलित

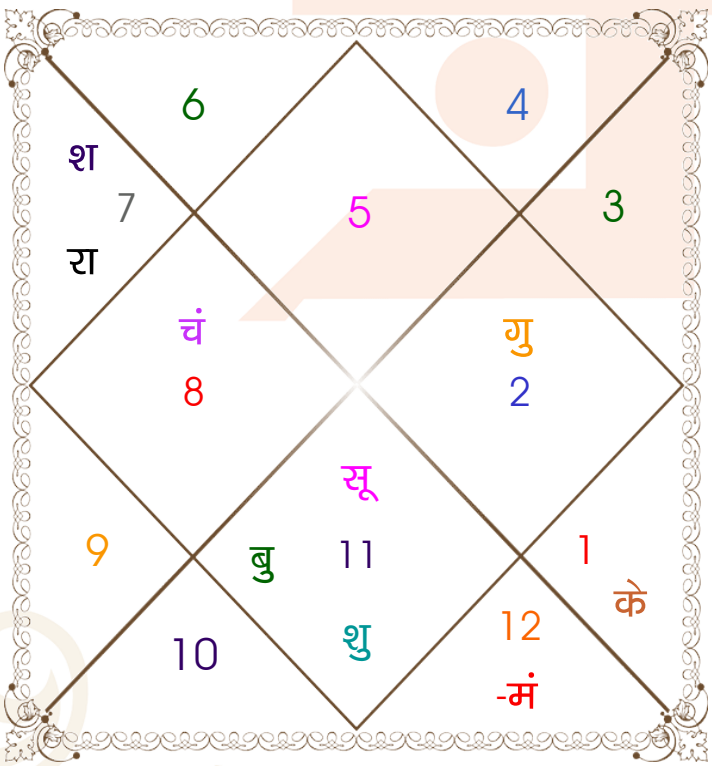

चन्द्र कुंडली

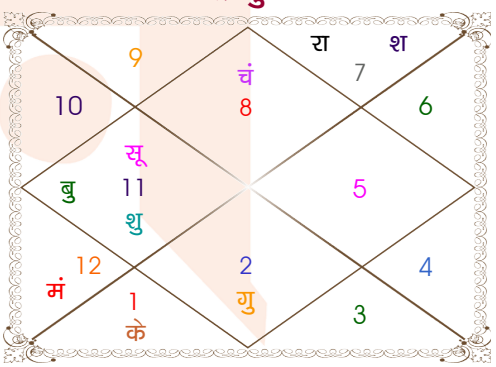

नवमांश कुंडली

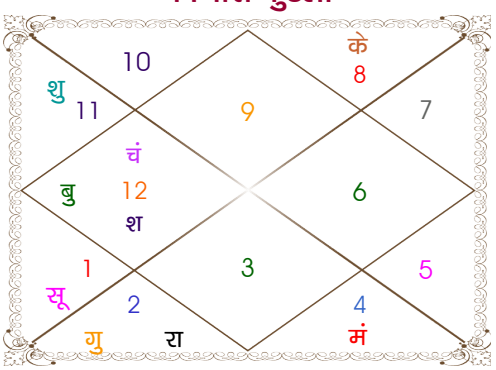

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 7 मास 4 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/03/2013		09/10/2013		09/10/2020		09/10/2040		09/10/2046	
09/10/2013		09/10/2020		09/10/2040		09/10/2046		09/10/2056	
	00/00/0000	केतु	07/03/2014	शुक्र	08/02/2024	सूर्य	26/01/2041	चंद्र	09/08/2047
	00/00/0000	शुक्र	07/05/2015	सूर्य	07/02/2025	चंद्र	28/07/2041	मंगल	10/03/2048
	00/00/0000	सूर्य	12/09/2015	चंद्र	09/10/2026	मंगल	03/12/2041	राहु	08/09/2049
	00/00/0000	चंद्र	12/04/2016	मंगल	09/12/2027	राहु	27/10/2042	गुरु	08/01/2051
	00/00/0000	मंगल	08/09/2016	राहु	09/12/2030	गुरु	16/08/2043	शनि	09/08/2052
	00/00/0000	राहु	27/09/2017	गुरु	09/08/2033	शनि	28/07/2044	बुध	08/01/2054
	00/00/0000	गुरु	03/09/2018	शनि	09/10/2036	बुध	03/06/2045	केतु	09/08/2054
	05/03/2013	शनि	12/10/2019	बुध	09/08/2039	केतु	09/10/2045	शुक्र	09/04/2056
शनि	09/10/2013	बुध	09/10/2020	केतु	09/10/2040	शुक्र	09/10/2046	सूर्य	09/10/2056

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/10/2056		09/10/2063		09/10/2081		09/10/2097		10/10/2116	
09/10/2063		09/10/2081		09/10/2097		10/10/2116		06/03/2133	
मंगल	07/03/2057	राहु	22/06/2066	गुरु	27/11/2083	शनि	13/10/2100	बुध	08/03/2119
राहु	25/03/2058	गुरु	14/11/2068	शनि	09/06/2086	बुध	23/06/2103	केतु	04/03/2120
गुरु	01/03/2059	शनि	21/09/2071	बुध	14/09/2088	केतु	01/08/2104	शुक्र	03/01/2123
शनि	09/04/2060	बुध	09/04/2074	केतु	21/08/2089	शुक्र	01/10/2107	सूर्य	10/11/2123
बुध	06/04/2061	केतु	28/04/2075	शुक्र	21/04/2092	सूर्य	12/09/2108	चंद्र	10/04/2125
केतु	02/09/2061	शुक्र	28/04/2078	सूर्य	07/02/2093	चंद्र	14/04/2110	मंगल	07/04/2126
शुक्र	02/11/2062	सूर्य	22/03/2079	चंद्र	09/06/2094	मंगल	23/05/2111	राहु	25/10/2128
सूर्य	10/03/2063	चंद्र	20/09/2080	मंगल	16/05/2095	राहु	29/03/2114	गुरु	31/01/2131
चंद्र	09/10/2063	मंगल	09/10/2081	राहु	09/10/2097	गुरु	10/10/2116	शनि	06/03/2133

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 0 वर्ष 7 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगी। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगी। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। पुरुष सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगा। आप अपने पति को प्यार नहीं करेंगी। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगी।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकती हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगी। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाती हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहती हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगी। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपनी प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकती हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगी परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय की ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेती हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगी। आप सदैव ही

जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगी। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगी। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।